तापमान
अधिकतम 36 .4 डिग्री
न्यूनतम 14 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 13 अप्रैल 2025

10 पूर्व मंत्री ने बस्ती चलो अभियान की शुरुआत की

10 परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़े इंसान

खबर संक्षेप

विवाहिता की शिकायत पर घरेलू हिंसा का केस दर्ज

पानीपत। इसराना थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर उसके पति संदीप निवासी गांव सुवाना जिला जींद के खिलाफ केस दर्ज किया हे। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद संदीप उसके साथ मरपीट करता है और रूपयों की डिमांड करता है। विवाहिता ने अपने पति पर चरित्रहीन होने का भी आरोप लगाया। वहीं पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट व लूट के मामले में दो नामजद

समालखा। पानीपत के गांव नामुंडा निवासी आशीष की शिकायत पर थाना समालखा पुलिस ने उज्ज्वल व इसके साथी अंशल गुलिया पर केस दर्ज किया है। आशीष का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ मारपीट की और उसके बेहोश होने पर उसका पर्स व मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डंपर की टक्कर लगने से मां-बेटा हुए घायल

यमुनानगर। गांव सुढ़ैल पेट्रोल पंप के पास डंपर की टक्कर लगने से बाइक सवार मां बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज शहर के निजी अस्पताल में चल रहा है। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। गांव चुहड़पुर कलां निवासी सोहनलाल ने बताया कि उसका भतीजा अमन कुमार अपनी मां संजो देवी को जिला करनाल के गांव न्यौरी में दवाई दिलवाने के लिए बाइक पर लेकर जा रहा था। जब वह गांव सुढ़ैल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अमन कुमार व उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएम नायब सिंह सैनी ने हनुमान जन्मोत्सव पर जनता को दी बधाई

पीएम मोदी ने कानूनी तरीके से करवाया रामजन्म भूमि विवाद का समाधान, तभी अयोध्या में बना भव्य मंदिर

श्री हनुमान की 31 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

- राजनीति और धर्म एक-दूसरे के बिना नहीं चल सकते।

नारायणगढ़। गांव भूरेवाला स्थित एसआरएम कॉलेज परिसर में सीएम नायब सैनी भगवान हनुमान की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करते हुए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर गांव भूरेवाला स्थित एसआरएम कॉलेज परिसर में 31 फूट उंची पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सबके लिए गर्व और गौरव का दिन है। हम सब जानते हैं कि भगवान श्री राम की हनुमान ने एक सेवक के रूप में निस्वार्थ भाव से सेवा की है। जब लक्ष्मण और मेघनाथ के युद्ध के दौरान लक्ष्मण मूर्छित हो गए थे, तो उस घड़ी में हनुमान ने संजीवनी बूटी लाकर उन्हें जीवन देने का काम किया था। उन्होंने कहा कि अयोध्या में वर्षों से रामजन्म भूमि को लेकर कानूनी विवाद चल रहा था, जिसका कानूनी प्रक्रिया से समाधान करवाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य एवं दिव्य मंदिर बना। उन्होंने कहा कि धर्म और राजनीति एक-दूसरे के प्रयाय हैं। राजनीति और धर्म एक-दूसरे के बिना नहीं चल सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी प्राचीन संस्कृति एवं धरोहर का संरक्षण करते हुए धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्वार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने लुप्त होती जा रही हमारी प्राचीन संस्कृति एवं धरोहर को संरक्षण देते हुए जीर्णोद्धार करने का काम किया हैं। भगवान काशी विश्वनाथ का कोरिडोर, उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर कोरीडोर, प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों लोगों द्वारा आस्था की डूबकी लगाना, उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम का जीर्णोद्वार और पाकिस्तान में स्थित करतारपुर साहिब कॉरीडोर का खुलना प्रमुख है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार ने भी कुरूक्षेत्र की पावन धरा जहां पर भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता का संदेश दिया था वहां पर अनेक तीर्थों का जीर्णोद्वार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महापुरूषों की सोच के अनुरूप एवं उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए गरीबों के हित को ध्यान में रखकर लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयुष्मान कार्ड योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को 5 लाख रुपये तक के निशुल्क ईलाज की सुविधा प्रदान की है। प्रदेश में आयुष्मान/चिरायु कार्ड योजना के तहत लगभग 20 लाख लोगों को इस का लाभ दिलवाया गया है। योजना के तहत 2200 करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 4 करोड़ लोगों को मकान की सुविधा उपलब्ध करवाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री हिसार व यमुनानगर में आ रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश को बड़ी सौगात देंगे। इनमें हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ व यमुनानगर में 800 मेगावाट यूनिट की सुपर क्रीटिकल यूनिट की आधारशिला रखा जाना शामिल है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया, एसडीएम शाश्वत सांगवान, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप सैनी, महामंत्री विवेक गुप्ता, गोल्डी सैनी, अमित जिंदल, मोती जिंदल, दीपक शर्मा, ओम प्रकाश देवीनगर, अश्वनी जिंदल, अश्वनी अग्रवाल, मंडल प्रधान जगदीप कौर, राजू मक्कड, प्रवीण धीमान, बीडीसी मेंबर दीपचंद सैनी भी मौजूद रहे।

सेंटर का दौरा किया

मुख्यमंत्री ने कॉलेज में बने नमो आयुर्वेदा अस्पताल एंड वेलनेस सेंटर का दौरा भी किया। मुख्यमंत्री ने हनुमान की मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार संत कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता व प्रमुख समाजसेवी प्रेम गोयल मौजूद रहे। कार्यक्रम में आयोजक व भजन गायक कन्हैया मित्तल ने भजन सिया राम के चरणों के दास बालाजी भक्तों के रहते सदा पास, भजन की प्रस्तुति से सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई भी दी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने भी सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीएम हाउस संत कबीर कुटीर में रात के अढाई बजे भी सीएम सैनी लोगों की बात/समस्या को सुनकर उनका समाधान कर रहे हैं।

हादसे में महिला की मौत, बेटा-पति घायल

- त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेक कर बाइक पर लौट रहे थे

यमुनानगर। साढ़ौरा रोजा पीर के पास दो बाईकों की भिड़ंत में महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला का बेटा व पति घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतक महिला अपने पति व बेटे के साथ त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेक कर घर लौट रहे थे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। गांव खिजरी निवासी सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी ममता रानी तथा लड़के पीर दिया के साथ बाइक पर त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेकने के लिए गए थे। शाम को जब वह माथा टेक कर घर लौट रहे थे तो साढ़ौरा रोजा पीर के नजदीक तेज गति से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह उसकी पत्नी व लड़का सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी बाइक चालक कुछ देर रुकने के बाद मौके से फरार हो गया। उसने पत्नी व बेटे को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी पत्नी की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रेफर कर दिया।

नकाबपोश बदमाशों ने की कारोबारी पर फायरिंग

- घटना के वक्त दुकान के बाहर बैठा था टैक्सी कारोबारी, पैर में गोली लगने से हुआ जख्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

टैक्सी चलाने का कारोबार करने वाले नवनीत कालड़ा पर नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दी। एक गोली कालड़ा के पैर में लगी। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच के दौरान पुलिस को मौके से एक गोली का खोल भी मिला है। जख्मी हालत में कालड़ा को नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यहां उसे उपचार के लिए दो घंटे तक ही व्हीलचेयर पर इंतजार करना पड़ा। पुलिस को दिए बयान में नवनीत ने बताया कि शुक्रवार देर शाम को वह अपनी दुकान पर बैठा था। तभी एक बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल तान कर उस पर फायरिंग कर दी। उसका आरोप है कि बदमाशों ने उस पर चार गोलियां चलाई। जिनमें से एक नवनीत के पांव में लगी। घायल ने बताया कि एक बदमाश बाइक पर बैठा रहा। उसकी बाइक स्टार्ट थी। दूसरे ने उसके पास आकर गोली चलाई। बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी। दोनों ने चेहरे पर सफ़ेद रंग का गमछा बांध रखा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश सेक्टर 9 की तरफ से आए और मॉडल टाउन की ओर भाग गए। नवनीत ने बताया कि बदमाश ने बिल्कुल पास से फायरिंग की थी। पहले दो फायर मिस हो गए। तीसरा फायर होने पर नवनीत ने घबरा कर अपना हाथ सीने पर रख लिया। उसने बताया कि तब बदमाश को लगा कि नवनीत को गोली लग गई। तब दो फायर और फायर करने के बाद आरोपी फरार हो गया।

ऑपरेशन से निकलेगी गोली

जख्मी हालत में नवनीत को अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में लाया गया। यहां परिजनों को दो घंटे तक अस्पताल में भटकना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि यहां केवल पट्टी बांधने के अलावा कोई अन्य उपचार की सुविधा नहीं है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर अमर सिंह के अनुसार नवनीत के बाएं पैर में गोली लगी है। पैर का ऑपरेशन कर गोली निकाली जाएगी।

मिड डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर किया रोष प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। मिड डे मील वर्कर्स ने कुरुक्षेत्र के देवी लाल पार्क में एकत्रित होकर एक जनसभा की जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान रोशनी देवी ने की संचालन जिला उपप्रधान लाल देवी ने किया।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की राज्य उपप्रधान लाल देवी ने कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रतिनिधि कैलाश सैनी को मांग पत्र सौंपा है और मांग की है कि हमारी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। यूनियन नेताओं ने कहा कि बेटी बचाओ ओर बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों के पास महिलाओं की समस्याओं को सुनने तक का टाइम नहीं है। आज के दिन ही पानीपत, सोनीपत व करनाल की मिड डे मील वर्कर्स शिक्षा मंत्री महीपाल डांडा के आवास पानीपत में प्रदर्शन कर रही है। अगर शिक्षा मंत्री ने भी मिड डे मिल वर्कर्स की मांगो का समाधान नहीं किया तो 20 मई को पूरे हरियाणा की मिड डे मिल वर्कर्स हड़ताल करके अपने अपने जिले में उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। सीटू जिला प्रधान रानी देवी, आशा वर्कर पिंकी ने कहा कि मिड डे मील वर्कर्स लंबे समय से मांगों व समस्याओं को लेकर आंदोलनरत है लेकिन प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है सरकार की बेरुखी है। यूनियन नेताओं द्वारा मांग की गई कि वर्कर्स का बकाया व कटा हुआ मानदेय तुरंत जारी किया जाए।

खालसा पंथ ने विश्व को मानवता और शहादत का दिया संदेश : दादूवाल

करनाल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की धार्मिक प्रचार कमेटी के चेयरमैन तथा यू एनओ के अध्यात्मिक एंबेसेडर जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल तथा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक्जीक्यूटिव मैंबर गुरप्रसाद ने कहा है कि खालसा पंथ की स्थापना मानवता की रक्षा के लिए की गई थी।

सिख पंथ का इतिहास शहादत से भरा हुआ हैं। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने हमेशा मानवता के लिए कार्य करने का संदेश दिया हैं। उन्होंने लोगों को सिख पंथ के बारे में बताया कि हमेशा सिख समुदाय ने देश की रक्षा के लिए बलिदान दिया हैं। खालसा पंथ के सृजना दिवस पर देश और प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं दी।

मोदी के थ्रेड पोर्ट्रेट से सुसज्जित होगा समारोह स्थल का मंच

- शहर में चौकों पर स्वच्छता का संदेश देंगे महात्मा गांधी के कट आउट : सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

कला एक ऐसी भाषा है जो दिल की गहराइयों से निकलती है और आत्मा को सुकून देती है। हर रचना एक कहानी कहती है। हर रंग एक भावना दर्शाता है। कला का जादू यही है कि जो शब्द नहीं कह सकते वह चित्र कह देते हैं। इसलिए इसका महत्व भी अधिक है। हालांकि आर्ट भी कई तरह की होती है। इनमें से ही एक आर्ट स्ट्रिंग थ्रेड पोर्ट्रेट भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में उनकी स्टेज को सुंदर तरीके से सजाया जाएगा।

स्टेज पर सबसे आकर्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट होगा। रैली स्थल पर बनाई स्टेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के थ्रेड पोर्ट्रेट से सुसज्जित होगी। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने दी। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर सबसे महत्वपूर्ण समारोह स्थल की स्टेज होगी। जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को संबोधित करेंगे। सभी की नजर उनके साथ स्टेज पर होगी। इसलिए स्टेज को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। स्टेज पर सबसे आकर्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट होगा। जो सबसे अलग व सुंदर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट बनाने के लिए स्पेशल दिल्ली से टीम आई हुई है। अनएडिशनेट आर्ट दिल्ली के सह संस्थापक राजेशए पीयूष व चंद्र प्रकाश यहां अपनी दस सदस्यीय टीम के साथ आए हुए है। उनकी टीम दो दिन से नगर निगम कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थ्रेड पोर्ट्रेट बनाने में लगी हुई है। यह एक ऐसी कलां है कि जिसमें ऊन को कीलों पर लपेट कर किसी भी व्यक्ति का चित्र बनाया जाता है।

खबर संक्षेप

निर्माणाधीन दुकान से चुराया हजारों का सामान

यमुनानगर। शहर की भाटिया नगर में चोरों ने निर्माणधीन दुकान से हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मॉडल कॉलोनी निवासी तरुण चानना ने शहर पुलिस को बताया कि उसकी भाटिया नगर में फवारा चौक के पास अशोका कलर वर्ल्ड के नाम से पेंट की दुकान है। वह 10 अप्रैल को किसी काम से बाहर गया था। इस दौरान उसकी दुकान खुली थी। जब वह वापस लौटा तो उसने देखा कि दुकान के पिछले हिस्से में बनी निर्माणधीन बिल्डिंग से तारें, बोर्ड, स्विच, एसी के पाइप, कॉपर पाइप व अन्य सामान गायब है। इसके साथ ही कुछ सामान दुकान की बिल्डिंग में जला पड़ा है। इसमें कुछ फर्नीचर का सामान भी था।

साइबर ठगों ने दिव्यांग से ठगे सवा लाख रुपये

यमुनानगर। शहर की रामपुरा कॉलोनी के दिव्यांग युवक से साइबर ठगों ने सवा लाख रुपये ठग लिए। युवक के मोबाइल पर मैसेज कर ऑनलाइन जॉब ऑफर की और फिर टास्क रिव्यू के जाल में फंसा कर रुपये ट्रांसफर करा लिए। युवक ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा कर थाना साइबर क्राइम पुलिस को सूचित किया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। रामपुरा कॉलोनी निवासी तरुण धाम ने साइबर थाना पुलिस को बताया कि वह खुद व उसका पूरा परिवार पैर से दिव्यांग है। पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राइवेट नौकरी करता है। तीन दिन पहले उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया, जिसमे उसे ऑनलाइन जॉब का ऑफर दिया गया। नौकरी का मैसेज पढ़ कर उसने उस पर दिए नंबर से संपर्क किया तो एक युवती ने बात की और ऑनलाइन घर बैठ कर रिव्यू देने का काम बताया। इसके बाद उसे टेलीग्राम के एक ग्रुप में जोड़ लिया गया। शुरू में मामूली फीस जमा कराई और टास्क दिए। जो भी उसका मुनाफा हुआ तो तुरंत ही उसके खाते में ट्रांसफर कर दिया। आरोपियों ने ऐसा कर भरोसा जमा लिया और उससे 31 हजार रुपये जमा कराए। कुछ ही देर में मुनाफे के पांच हजार के साथ 36 हजार रुपये लौटा दिए। तरुण ने बताया कि इसके बाद उससे फिर से और रुपये जमा कराए जो धीरे-धीरे कर एक लाख 27 हजार रुपये थे। फिर न मूल रकम लौटाई और न ही मुनाफे के पैसे दिए। जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने तुरंत ही ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा दी और थाना साइबर क्राइम पहुंच में शिकायत दी।

कल थर्मल पावर प्लांट की यूनिट का शिलान्यास करेंगे पीएम, तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा प्रशासन

कचरा प्लांट के बाहर पौधरोपण से सुगंधित बनेगा वातावरण

- पीएम के आगमन पर नगर निगम प्रशासन ट्विन सिटी के सौंदर्यकरण में नहीं छोड़ रहा है कोई कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। कैल कचरा प्लांट के पास लगाए गए पौधे व सजाया गया जगाधरी का चौक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यमुनानगर में आगमन शहरवासियों व क्षेत्र के लोगों के लिए शुभदायक बन रहा है। ट्विन सिटी में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सड़कों का दुरुस्तीकरण करने के अलावा दुल्हन की तरह सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में निगम ने जहां पहले कचरा पड़ा होने से दुर्गंध वातावरण बना हुआ था अब वहां फूलों के गमले रखवाए गए हैं और कैल कचरा निस्तारण प्लांट के बाहरी क्षेत्र में पड़े कचरे को भी साफ करके वहां पौधारोपण कर दिया है। अब यहां दुर्गंध खत्म होगी और वातावरण हराभरा व सुगंधित होगा।

उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर को साफ सुंदर व स्वच्छ बनाने का कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान चलाकर नगर निगम ने शहर के हर मार्ग को साफ व सुंदर बनाया है। यमुनानगर जगाधरी के हर चौक को विशेष रूप से सजाया गया है। अभियान चलाकर नगर निगम क्षेत्र से एक कचरा प्वाइंट खत्म किए जहां लोग खुले में कचरा डालते थे। निगम क्षेत्र के 90 से अधिक कचरा प्वाइंट को खत्म करके वहां फूलों के गमले व बैंच रखे गए हैं। ताकि दोबारा इन स्थानों पर कोई कचरा न डाले। इसके अलावा कचरा न फेंकने संबंधित बैनर भी लगाए है। सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी भी की जा रही है। ताकि कोई यहां कचरा न डाले। साथ ही इन स्थानों पर रखे गए गमलों को ना उठा सके।स

वच्छता की दृष्टि से हमारे शहर में काफी बदलाव आया है। मार्केट कमेटी के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी में जहां काफी समय से गंदगी फैली हुई थी। उसे साफ किया गया है। कैल कचरा निस्तारण प्लांट के आसपास की गंदगी को भी साफ किया गया है। प्लांट के अंदर पड़े कचरे पर भी स्प्रे कर बदबू का खत्म किया गया। सफाई शाखा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर इस गंदगी को साफ करने का कार्य किया। प्लांट के चारों तरफ सफाई कर मिट्टी का भराव किया गया है। अंबाला रोड से सटे प्लांट के बाहर अब पौधे लगाए गए हैं। जल्द ही इन स्थानों पर हरा भरा वातावरण होगा।

इस मार्ग से रोजाना हजारों की संख्या में निकलने वाले वाहन चालकों का पहले बदबू से बुरा हाल होता था। पौधे लगने से अब यहां का वातावरण साफ होगा और लोग साफ वातावरण में सांस ले सकेंगे। अंबाला मार्ग को भी नगर निगम कर्मियों द्वारा साफ कर दिया गया है।

चंडीगढ़ जैसी फिलिंग मिलने पर निगम को लोगों ने सराहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर शहर की हर सड़क चकाचक हो गई है। शहर में आने वाले लोगों को चंडीगढ़ आने की फिलिंग हो रही है। लोग सोशल मीडिया में शहर की सड़कों, डिवाइडर, पौधों व चौकों की फोटो व वीडियो डालकर नगर निगम की सराहना कर रहे हैं। हर चौक निगम द्वारा सजाया गया है। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने लोगों से अपील की है कि वे खुले में कचरा न डालकर निगम के वाहन में ही डाले। यदि कोई खुले में कचरा डालता है तो उस पर निगम द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के सभी इंतजाम समय पर करें पूर्णः कविराज

यमुनानगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के य प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अंबाला रेंज के आईजी सिबाश कविराज ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले मार्गों, पार्किंग की व्यवस्था, पंडाल में बैठने की योजना, मीडिया की एंट्री और मीडिया गैलरी, वीआईपी प्रवेश और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य अहम विषयों पर अधिकारियों से चर्चा की। कार्यक्रम में आमजन की सुगम आवाजाही के लिए कुल 75 प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। जिनमें से 51 गेट महिलाओं तथा 24 गेट पुरुषों के लिए आरक्षित रहेंगे। आईजी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी ड्यूटी से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर ड्रोन उड़ाने पर रहेगी पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

- डीसी पार्थ गुप्ता ने पीएम के कार्यक्रम में किए गए सुरक्षा इंतजामो की दी जानकारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यमुनानगर में 14 अप्रैल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काफी अलर्ट है। जिला प्रशासन ने पीएम की सुरक्षा व्यवस्था को गम्भीरता से लेते हुए ड्रोन रूल 2021 के तहत रैली स्थल क्षेत्र को रैड जोन घोषित किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बीएनएसएस की धारा 163 के तहत मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी)पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। उक्त जानकारी उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने दी।

डीसी पार्थ गुप्ता ने जारी आदेशों में कहा है कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत ड्रोन नियम 2021 की धारा 24 के अनुसार आदेश पारित किए गए हैं कि ड्रोन व मानव रहित हवाई वाहन उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। इसलिए इस क्षेत्र को रैड जोन घोषित किया गया है। यह पाबंदी प्रधानमंत्री के आने से 4 घंटे पहले व प्रधानमंत्री के जाने के 2 घंटे बाद तक रहेगी। उन्होंने पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों को भी आदेश जारी किए हैं कि आदेशों के अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाएं। यह निर्णय जनहित को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यदि कोई व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करेगा तो उसके खिलाफ बीएनएसएस की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक व्यवस्थाः भारी वाहनों के प्रवेश पर रहेगा प्रतिबंध

डीसी पार्थ गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित वीवीआईपी लोग शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में वीवीआईपी रूट पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना जरूरी है। इसलिए 13 अप्रैल को सायं 7 बजे से 14 अप्रैल को सायं 7 बजे तक यमुनानगर व जगाधरी शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेंगा। इसके लिए बीएनएसएस की धारा 163 के आदेश जारी किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को जहन में रखते हुए पीएम रूट के मार्ग के दोनों तरफ वाहन पार्किंग पर प्रतिबंध रहेगा। इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत धारा 163 लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यमुनानगर में प्रधानमंत्री के रूट वाले मार्ग पर दोनो तरफ 200 मीटर की परीधि में जहां वाहन पार्किंग पर प्रतिबंध रहेगा वहीं, इस रूट के 200 मीटर की परीधि में हथियार लाठी, डंडा, लोहे की रोड, तलवार, चाकू व अन्य किसी प्रकार का हथियार ले जाने पर पाबंदी रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यक्रम स्थल व रूट के दोनों तरफ 500 मीटर की परीधि में किसी प्रकार का प्रदर्शन व धरना लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करेगा उसके खिलाफ बीएनएसएस की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन आदेशों को पुलिस प्रशासन की होगी।

वीवीआईपी, वीआईपी, महिला, युवा ब्लॉक, आगंतुकों के प्रवेश द्वार पर रहेगा फोकस

यमुनानगर। भाजपा प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैल में आयोजित होने वाली रैली स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहे। प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता ने भाजपा संगठन के जिला पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। उन्होंने पंडाल से लेकर प्रधानमंत्री के आगमन रूट तक सभी प्रमुख बिंदुओं पर भाजपा पदाधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।अर्चना गुप्ता ने वीवीआईपी, वीआईपी, महिला ब्लॉक, युवा ब्लॉक,आगंतुकों के प्रवेश द्वार, उनके बैठने की व्यवस्था, मंच की संरचना आदि पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। भाजपा प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिला यमुनानगर के कैल बाईपास में 800 मेगावाट की थर्मल यूनिट का शिलान्यास करने आ रहे हैं।

जिसकी लागत लगभग 7300 करोड़ रुपये है। यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है जिससे रोजगार व व्यापार के क्षेत्र में बहुत अत्यधिक वृद्धि होगी एवं हरियाणा को लोगों को अत्यधिक बिजली भी प्राप्त होगी।

रैली में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए जल व भोजन का विशेष तौर पर प्रबंध किया गया है। भाजपा संगठन की ओर से मीडिया व्यवस्था देख रहे कपिल मनीष गर्ग ने बताया कि रैली स्थल पर अत्याधुनिक मीडिया सेंटर बनाया गया है। जिसमें हर प्रकार की आधुनिक सुविधा मुहैया करवाई गई है। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि सभी भाजपा पदाधिकारी संगठन द्वारा लगाई गई ड्यूटी को पूरे निष्ठा एवं मेहनत के साथ निभाएं।

रात भर ब्लैक आऊट से परेशान रहे ग्रामीण

- निगम अधिकारियों व कर्मचारियों पर लगाया लापरवाही करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

रादौर के पालेवाला फीडर से जुड़े तीन गांव में बीती रात ब्लैक आऊट रहने से ग्रामीण परेशान रहे। खास बात यह रही कि गत शुक्रवार दोपहर एक बजे से गुल हुई बिजली शनिवार सुबह आठ बजे तक ठीक नहीं हुई। ग्रामीण रात भर जहां गर्मी व मच्छरों से परेशान रहे। वहीं, बिजली सप्लाई नहीं होने से पेयजल की कमी से झूझते रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित बिजली कर्मचारियों द्वारा लाइन में फाल्ट का पता चलने पर भी उसे दुरुस्त नहीं किया गया और रात भर ग्रामीणों को तडफने पर मजबूर कर दिया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से लापरवाही बरतने वाले बिजली कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीण मास्टर साहब सिंह, लछमन सिंह, गुलाब सिंह, दलीप सिंह, पवन कुमार व रविंद्र कुमार आदि ने बताया कि पालेवाला फीडर से गांव नाचरौन, पालेवाला, रतनगढ़ व माधुबांस आदि गांवों में बिजली सप्लाई होती है। मगर पिछले कई दिन से इस फीडर पर डोमेस्टिक गांव होने के बावजूद जहां दिन के समय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक कट लगाए जा रहे थे। गत शुक्रवार को दोपहर एक बजे से लेकर शनिवार सुबह आठ बजे तक का कट लगने से रात भर तीन गांव नाचरौन, पालेवाला व माधुबांस में ब्लैक आऊट रहा। इस दौरान ग्रामीण जहां गर्मी व मच्छरों से परेशान रहे। वहीं, पेयजल के लिए भी तरसते रहे। उन्होंने बताया कि इस दौरान संबंधित बिजली कर्मचारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद संबंधित पावर हाऊस से संपर्क किया गया। मगर पावर हाऊस में बैठे कर्मचारियों ने संबंधित अधिकारियों से बात करने की सलाह दी। ग्रामीणों ने बताया कि वह रात भर कभी किसी को तो कभी किसी कर्मचारी को फोन करके संपर्क करने का प्रयास करते रहे। मगर उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि पालेवाला फीडर पर अक्सर रात्रि के समय बिजली सप्लाई ठप हो जाती है और संबंधित बिजली कर्मचारी लापरवाही बरतते हुए फाल्ट नहीं मिलने का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से ऐसे लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने और गर्मी के मौसम में लाइनों में बार बार आ रहे फाल्ट को दुरुस्त किए जाने की मांग की।

फाल्ट नहीं मिलने की वजह से कर्मियों को हुई परेशानी

बिजली विभाग के पालेवाला फीडर से संबंधित जेई मोहन लाल ने बताया कि रात्रि के समय लाइनमेन भेजे गए थे। उन्हें फाल्ट नहीं मिला। जिसकी वजह से रात भर बिजली सप्लाई नहीं हुई। शनिवार सुबह लाइनमेन दोबारा लाइन पर गए और फाल्ट मिलने पर बिजली सप्लाई सुचारू करवाई गई।

'कीजो केसरी लाल मेरा छोटा सा ये काम' भजन.. पर जमकर झूमे श्रद्धालु

- श्री ज्वाला माता मंदिर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव,मंदिर में 11 घंटे का अखंड हनुमान चालीसा का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

शहर के आईटीआई ससौली मार्ग स्थित पूज्य श्री ज्वाला माता मंदिर में शनिवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जहां 11 घंटे का अखंड हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। वहीं, भजनों के माध्यम से श्रीहनुमान की महिमा का गुणगान किया गया।

मंदिर के सेवक समर्पित व रसिक ने बताया कि मां की अनुकंपा से श्रीज्वाला माता मंदिर में शनिवार सुबह छह बजे से अखंड हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कियाा। भोग शाम पांच बजे डाला गया। इसके बाद भजनों के माध्यम से भगवान हनुमान का गुणगान किया गया। साध संगत द्वारा बेसन के लड्डू और मीठे पान का भोग लगाया गया। इस दौरान पूज्य माता ने कीजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम भजन सुनाकर संगत को मंत्र मुग्द कर दिया और सभी श्रद्धालु मस्ती में झूमते नजर आए। संगत ने माता ज्वाला के दर्शन कर आर्शीवाद प्राप्त किया।

यमुनानगर। श्रीज्वाला मंदिर में श्रीहनुमान जयंती पर अखंड हनुमान चालीसा पाठ में साध संगत।

बाबा साहब ने संविधान निर्माण में निभाई मुख्य भूमिकाः विक्रांत

यमुनानगर। जिला बार एसोसिएशन जगाधरी द्वारा बार के सभागार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि एडीजे जगजीत सिंह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विक्रांत सिंह चौहान ने कहा डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन बहुत ही सादगी पूर्ण था। कार्यक्रम में पवन चौधरी, राकेश बरवाल, पंकज शर्मा, पवन कुमार करेड़ा आदि ने डा. भीमराव अम्बेडकर के जीवन के बारे में बताया। विजय कुमार चौधरी व आदित्य प्रताप को सम्मानित किया व विजय कुमार गौतम, विजय चौधरी, मामचंद, गुरमुख सिंह, ब्रिजेश प्रताप, अनिल अग्रवाल, नरेश खुराना, रीतेश गोयल मौजूद रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर समेत विभिन्न स्कूलों में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्कूल के चेयरमैन अनिल कांबोज ने बताया कि बैसाखी पर्व के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से केजी तक के बच्चों ने आकर्षक ग्रामीण झांकी प्रस्तुत की। बच्चों ने ओखली, मूसल, लकड़ी का चुल्हा, मिट्टी के बर्तन आदि का महत्व बताया। वहीं, कार्यक्रम में कक्षा पहली से 5वीं तक के बच्चों ने आर्ट एंड क्राफ्ट में ढ़ोल, बाजे व अन्य सुंदर सुंदर आकृतियां बनाई। कक्षा छठी से 12वीं तक के बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों से बैसाखी से संबधित प्रश्न पुछे गए। इस मौके पर प्रिंसिपल अंजु गुलाटी, सोनाली कांबोज आदि मौजूद रहे।

मून स्टार प्री स्कूल में धूमधाम से मनाया बैसाखी का पर्व

रादौर के मून स्टार प्री स्कूल के प्रांगण में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे सुंदर सुंदर पोशाक पहन कर आए। प्राचार्या रसमीन कौर व कोऑर्डिनेटर रितु रानी ने बच्चों को बैसाखी के पर्व की बधाई दी। उन्होंने इस पर्व की महिमा के बारे में बताया कि इस दिन से रबी की फसलों की कटाई होती है। इस मौके पर नेहा, सुमन, नीतू, निशा, अनु, शीला, सोनिया, शिवानी, रानी, मीनू, गीता, कृष्ण व सचिन आदि मौजूद रहे।

बैसाखी पर्व बच्चों ने प्रस्तुत किया भांगड़ा

रादौर के मुकंदलाल स्कूल में बैसाखी का पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में कक्षा दसवीं से तानिया शर्मा, कक्षा नौवीं से मोहित व हर्ष ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं कार्यक्रम में कक्षा छठी व नौवीं के छात्रों ने रंगारंग भांगड़ा एवं गिद्दा प्रस्तुत किया। स्कूल प्रिंसीपल प्रमोद ग्रोवर ने बच्चों को बधाई देते हुए उनके द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का आयोजन एक्टिविटी इंचार्ज डोली कांबोज की देखरेख में टीचर पारुल, योगिता, आंचल व कशिता द्वारा किया गया।

डीएवी कॉलेज के कैड्ट्स ने निकाली रैली

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज यमुनानगर की एनसीसी कैडेट्स ने रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली का आयोजन 14 हरियाणा बटालियन एनसीसी यमुनानगर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जरनैल सिंह, एडम आफिसर कर्नल जितेद्रंर दहिया व सुबेदार मेजर जसवंत सिंह के दिशा निर्देश पर हुआ। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिंद्र कौर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। एनसीसी इंचार्ज मेजर गीता शर्मा ने बताया कि रैली शहर के विभिन्न चौक चोराहों से होकर कॉलेज परिसर में संपन्न हुई। कैडेट्स ने हाथ में पोस्टर, बैनर उठाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

हाउस की पहली बैठक में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव हुए पारित

- नवनिर्वाचित चेयरमैन रजनीश मेहता ने की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

नगरपालिका रादौर के नवनिर्वाचित पार्षदों की पहली बैठक का आयोजन नपा कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता शालु ने की। नपा सचिव सुरेंद्र मलिक भी मौजूद रहे। बैठक में शहर के विकास को लेकर प्रस्ताव पास किए गए।

नपा हाउस की बैठक में पार्षदों ने वर्षों से अधुरे पड़े खेल स्टेडियम को बनाने के लिए लगभग 13 करोड़ रूपये का प्रस्ताव पास किया। वहीं रादौर में 3 मॉडन शौचालय बनाए जाने व पशुओं के लिए जिले में पहला अनुसंधान केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव पास किया गया। शहर में अवैध कॉलोनियों को नियमित किए जाने, पानी की निकासी के लिए पंप सेट खरीदने, नगरपालिका की शहर में मौजूद भूमि की निशानदेही करवाकर चारदीवारी किए जाने का निर्णय लिया गया। इसी तरह फॉगिंग स्प्रे करने के लिए नई मशीने खरीदने, नगरपालिका कार्यालय के लिए सौलर पैनल लगाए जाने पर सहमति जताई गई। अनाजमंडी चौक से रावल चौक तक सड़क बनाए जाने, सभी वार्डों में गलियों व नालियों की रिपेयर किए जाने के टेंडर लगाए जाने, शहर में नालियों की सफाई के लिए जैटिंग मशीन खरीदने, बकाना रोड पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटो को ठीक करवाने, सभी वार्डो में नई स्ट्रीट लाइटे लगवाने, स्थानीय लोगों के बैठने के लिए बैंच खरीदने को लेकर प्रस्ताव पास किया गया। वहीं वार्ड नंबर 11 से पार्षद रितु रानी को बैठक में शपथ दिलवाकर उन्हें कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर पार्षद जसवंत सिंह, भगवतदयाल कटारिया, सुदेश सैनी, राजीव आर्य सन्नी, रणजीत सिंह, ऋषिपाल नंबरदार, चरणजीत मोनू, श्रीकांत मोंटी, संदीप छोटाबांस, सुशील कुमार बत्रा, गुलशन सैनी, रविंद्र सैनी, विनिश राणा जुगनु, अमनदीप छोटाबांस मौजूद रहे।

मेयर ने पार्षदों व अन्य के साथ खुद झाड़ू लगा दिया स्वच्छता का संदेश

स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं, सामूहिक जिम्मेदारी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यमुनानगर आगमन पर नगर निगम द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। निगम के अधिकारी व कर्मचारी जहां दिन रात शहर को सुंदर व साफ बनाने में जुटे हैं। वहीं, मेयर सुमन बहमनी ने खुद हाथ में झाड़ू थामा हुआ है। मेयर सुमन बहमनी रोजाना हर वार्ड में झाड़ू लगाकर पार्षदों व क्षेत्र के लोगों के साथ सफाई करने में जुटी हैं।

शनिवार को मेयर सुमन बहमनी ने नगर निगम के वार्ड नंबर सात के पार्षद प्रियांक शर्मा व अन्य लोगों के साथ मिलकर सेक्टर 18 में झाड़ू लगाकर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस विशेष स्वच्छता अभियान में जगाधरी के सेक्टर 18 हुडा वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी नकुल गोयल, धर्मवीर कंबोज, सुधीर वर्मा, अनिल अग्रवाल व अन्य सेक्टरवासियों ने मिलकर क्षेत्र में साफ सफाई की। खास बात यह है कि मेयर सुमन बहमनी ने खुद कस्सी उठाकर कचरे का उठान किया। सभी ने एकजुट होकर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक अभियान नहीं है बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले हम यह संदेश देना चाहते हैं कि यमुनानगर न केवल उनका स्वागत करने को तैयार है। बल्कि एक स्वच्छ और जिम्मेदार शहर की मिसाल भी पेश करेगा। हम सब मिलकर शहर को साफ स्वच्छ व सुंदर बनाने में सहयोग करें।

नगर निगम के इस अभियान में सभी आगे बढ़कर आएं। पार्षद प्रियांक शर्मा ने कहा कि वार्ड नंबर सात में नियमित रूप से सफाई को प्राथमिकता दी जाती है और प्रधानमंत्री के दौरे ने इस प्रयास को और गति दी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे भी अपने आसपास की सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। इस अभियान से एक प्रेरणादायक संदेश गया है कि जब जनप्रतिनिधि खुद आगे आकर झाड़ू थामते हैं तो समाज में स्वच्छता के प्रति चेतना और जिम्मेदारी दोनों बढ़ती हैं। शहर को सुंदर बनाने में सभी एकजुट होकर शहर को स्वच्छ बनाने में जुटे हैं। इसी तरह शहर का हर नागरिक भी मिलकर शहर को स्वच्छ बनाने का काम करें। अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें। खुले में कचरा न डाले। दूसरों को भी खुले में कचरा न डालने दें। यदि सभी शहरवासी कचरा खुले में न डालकर डस्टबिन व निगम के वाहनों में ही डालेगा तो हमारा शहर स्वच्छता में पहले स्थान पर होगा।

श्रीदक्षिणमुखी प्राचीन हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

जय श्रीराम और बजरंगबली की जय के नारों से गूंज उठा वातावरण

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में भजन, कीर्तन, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंदिरों में भजन, कीर्तन, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा का पाठ जैसे धार्मिक कार्यक्रम के साथ भंडारा का भी आयोजन किया गया। श्रीदक्षिणमुखी प्राचीन हनुमान मंदिर,उत्तरी तट ब्रह्मसरोवर में हनुमान जन्मोत्सव का पावन पर्व पूरे श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ अत्यंत भव्य रूप में मनाया गया। यह आयोजन ना केवल धार्मिक रूप से विशेष था, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रेरणादायक रहा। इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था। दीपों की ज्योति, फूलों की साज-सज्जा और भक्ति गीतों की ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर में आना शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा। दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं धर्मगुरु पंडित प्रेम कुमार शर्मा की उपस्थिति। उन्होंने अत्यंत भावपूर्ण एवं सस्वर सुंदरकांड पाठ किया, जिसे सुनकर उपस्थित जनमानस भावविभोर हो गया। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण जय श्रीराम और

कुरुक्षेत्र। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

बजरंगबली की जय के नारों से गूंज उठा। पंडित शर्मा जी ने अपने प्रवचन में हनुमान जी के आदर्शों, सेवाभाव, शक्ति और भक्ति की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की व्यवस्थाएँ अत्यंत सुव्यवस्थित और अनुशासित रहीं। मंदिर समिति और स्थानीय स्वयंसेवकों ने सेवा भाव से श्रमिकों, भक्तों और अतिथियों की सेवा की, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। इस अवसर पर मंदिर समिति, सदस्यों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।पुजारी पंडित हिमांशु शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिकता, सेवा, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन और अधिक व्यापक स्तर पर किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रबंधक पंडित विजय कुमार शर्मा ने समस्त श्रद्धांलूजनों व मीडिया प्रतिनिधियों तथा स्थानीय जनता का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्य तौर पर शैलश वत्स, रोहन, मन्नत, सारांश, दया शर्मा, मैना शर्मा, राहुल पंचाल, लाल चंद समेत बड़ी संख्या में भक्तजन

सेवा ट्रस्ट यूके भारत ने वितरित किया सामान

- कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा ट्रस्ट यूके भारत के जिला कोआर्डिनेटर पवन मित्तल ने की

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

सेवा ट्रस्ट यूके भारत द्वारा ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र पर हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा ट्रस्ट यूके भारत के जिला कोआर्डिनेटर पवन मित्तल ने की। उन्होंने कहा कि सृष्टि पर मानवता की रक्षा और अनैतिक शक्तियों को नष्ट करने वाले राम भक्त वीर हनुमान को समस्त विश्व द्वारा याद किया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। वह सभी पर हनुमान जी की कृपा सदैव बनी रहे हनुमानजी आप सभी को शक्ति और संजीवनी दें। इस मौके पर सेवा ट्रस्ट की को-स्पोंसर डाबर इंडिया लिमिटेड की तरफ से वहा उपस्थित साधू संतो को ग्लुकोज के पैकेट, तेल, खांसी की दवाई डाबर हनी टस, टूथपेस्ट का भण्डारा वितरित किया गया। उन्होने सभी को सपरिवार हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी व कहा कि श्रीराम भक्त हनुमानजी की कृपा आप सभी पर बनी रहे ऐसी प्रभु से प्रार्थना है। सेवा ट्रस्ट के वरिष्ठ कोआर्डिनेटर नरेश शर्मा व जिला मीडिया प्रभारी विजय पंघाल ने सभी रामभक्तों को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई व शुभकामनाएं दी व सेवा ट्रस्ट द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो की विस्तृत जानकारी दी कि सेवा ट्रस्ट सभी महापुरुषों की जयंती व धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी सहयोगी डाबर के सहयोग से जरूरत का समान व रियल जूस का लंगर लगाती रहती हैं।

श्री पशुपति नाथ महादेव मंदिर में रामचरित्र मानस पाठ एवं भंडारे का आयोजन

पिहोवा। श्रीदक्षिणा काली पीठ मॉडल टाऊन एवं श्री पंचायती अखाड़ा श्री पशुपति नाथ महादेव मंदिर के प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव पर धार्मिक कार्यक्रमो एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दक्षिण कली पीठ में आयोजित भोग डाला गया तत्पश्चात विशाल भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पीठ के श्रीमहंत बंसी पुरी महाराज ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जो भक्त पूरे विधि विधान से हनुमान जी की पूजा करते हैं मान्यता है कि हनुमान जी प्रसन्न होकर अपने भक्तों को सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं और जीवन के सभी कासन से मुक्ति दिलाते हैं। कार्यक्रम में स्वामी खटवांग पुरी, दिगंबर महेश पुरी, महान सर्वेश्वरी गिरी, स्वामी चवन गिरी, महान दीपक प्रकाश, अभिषेक कुश, यजमान विपिन काहड़ा, विनोद डोलिया, केशव जिंदल मानसा, सुनील गर्ग, गौरव डोलिया, पीयूष, नपा प्रधान आशीष चक्रपाणि, सुरेंद्र पप्पू ढींगरा, जोगिंद्र गर्ग, अवतार वालिया मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को डॉ. अंबेडकर के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने की दिलाई शपथ

कुरुक्षेत्र। भगवान परशुराम कॉलेज में इतिहास विभाग तथा एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा वशिष्ठ के व्याख्यान से हुई, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाबा साहब भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे। इसके पश्चात एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर प्रोफेसर वासव दत्ता ने विद्यार्थियों को डॉ. अंबेडकर के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने की शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं को संविधान के प्रति सम्मान और सामाजिक समानता के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता ने न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा, बल्कि यह उनके बौद्धिक विकास में भी सहायक सिद्ध हुई। समारोह के अंत में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शीश पाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

सम्मान समारोह में छात्रों को नवाजा

थानेसर। डॉ अम्बेडकर स्टूडेंट फ्रंट ऑफ इंडिया ,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की इकाई के द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत ज्योतिबा फुले व भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की जन्मदिवस को संयुक्त रूप से छात्रों के द्वारा नॉन टीचिंग क्लब में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार वीरेंद्र पाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर के किया व मुख्य अथिति के रूप में पूर्व एडिशन चीफ सेक्टरी राज रूप फुलिया पहुँचे। मंच का संचालन पूर्व दासफी अध्यक्ष पिंटू सिंगला द्वारा किया गया। अध्यक्षता दासफी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अध्यक्ष सिमरन मुंडे ने की। कुरुक्षेत्र के गोताखोर प्रगट सिंह व टीम सिंगर बीएस जुंडला को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ बलकार बौद्ध, डॉ प्रदीप रंगा, प्रोफसर राजेन्द्र, प्रोफेसर अश्वनी कुमार, शोधार्थी प्रदीप फरल, महासचिव गौरव पबनावा, उपाध्यक्ष अभिषेक कुंडू, गौरव मेहरा, अक्षय, ललित, संदीप, जगदीप, दीपक, स्नेहा, पलक, साहिल व विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

गेहूं खरीद कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

- हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार ने किया अनाज मंडी कुरुक्षेत्र व पिपली का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार ने कहा कि गेहूं खरीद कार्य में रत्तीभर भी लापरवाही करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए कि फसल बेचते समय मंडी में किसानों को किसी भी अव्यवस्था का सामना ना करना पड़े तथा सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर फसल खरीद

कुरुक्षेत्र। गेहूं में नमी चैक करते हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार।

सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समय पर गेहूं की खरीद का उठान होना चाहिए तथा किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए।

किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यापक प्रबंध तथा समुचित व्यवस्था की गई है। हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार ने शनिवार को अनाज मंडी कुरुक्षेत्र और पिपली में गेहूं खरीद एवं उठान संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया और आढ़तियों और किसानों से बातचीत करते हुए उठान व गेहूं खरीद से संबंधित जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने मंडी में पहुंचते ही सबसे पहले गेट पास की व्यवस्था का जायजा लिया तथा मौजूद कर्मचारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एडीसी ने 944 पेंडिंग शिकायतों के निपटान के लिए दिए निर्देश

- समाधान प्रकोष्ठ के दौरान जिला में 5034 शिकायतें प्राप्त हुई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने कहा कि जिला के आमजन मानस को सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए समाधान प्रकोष्ठ की शुरूआत की हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सप्ताह के दो दिन में आयोजित होने वाले समाधान शिविर की समीक्षा स्वयं कर रहे हैं। ऐसे में किसी भी अधिकारी-कर्मचारी द्वारा समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि समाधान प्रकोष्ठ के दौरान जिला में 5034 शिकायतें आई हैं, इनमें से 4090 का निपटान किया जा चुका है, जबकि 944 शिकायत अभी पेंडिंग हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समय पर समाधान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए समाधान शिविर की शिकायतों को निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार और वीरवार को पूरे प्रदेश में प्रातः: 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया हैं।

सोनू भट्ट।

जिला बार एसो. ने महापुरुषों को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

- एसो. ने महावीर जयंती, अंबेडकर जयंती, ज्योतिबा फुले जयंती मनाई

जिला बार एसोसिएशन कुरुक्षेत्र के बार रूम में प्रधान धर्मेंद्र अत्री कुंजपुरा की अध्यक्षता में महापुरुषों को याद किया गया। महापुरुषों के जीवन पर रोशनी डाली गई वह उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन जीने के तरीकों में सुधार करने की बात कही। जिला बार एसोसिएशन कुरुक्षेत्र में महावीर जयंती, अंबेडकर जयंती, ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। इस मौके पर प्रधान धर्मेंद्र अत्री ने तीनों के जीवन परिचय से अधिवक्ताओं को अवगत कराया व अपने जीवन में उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए सुधार करने की बात कही। पूर्व प्रधान राजेंद्र जुनेजा ने फूल अर्पित किया व बाबा साहब भीमराव अंबेडकर व उनके संविधान से प्रेरणा लेते हुए कानून की सेवा करने की बात कही। पूर्व प्रधान सुभाष शर्मा रतगल ने पुष्प अर्पित किए सभी महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डाला व उनके विचारों से अधिवक्ताओं को अवगत कराया।

इस मौके पर पूर्व सचिव विक्रम शर्मा ने सभी महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने शिक्षा तंत्र व महिलाओं को और मजबूत करने की बात कही व समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात कही। इस मौके पर पूर्व प्रधान अशोक भारद्वाज, मनोज कौशिक, महेंद्र सिंह तंवर, पूर्व प्रधान सौरभ दत्त शर्मा, पूर्व सचिव मनोज अटवन, बलविंदर कमोदा, धर्मेंद्र नारबन, राहुल तंवर लुखी, सीनियर एडवोकेट अनुज गर्ग, सीनियर एडवोकेट कुलदीप किर्मच, करम सिंह राणा, सतपाल शर्मा हथीरा, सुरेश शर्मा, गिरधारी लाल, राजकुमार तंवर राजकुमार धीमान जरनैल रंगा आदि मौजूद रहे।

गांवों में गांव बस्ती चलो अभियान चलाया जा रहा : धुम्मन सिंह

पिहोवा। सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाईस चेयरमैन धुम्मन सिंह किरमच ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियान गांव बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा ने गांव चलो अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत कार्यकतार्ओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। वहीं दूसरी और भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मांगेराम कौशिक, मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला, बूथ अध्यक्ष अजय, गुलशन शर्मा, सुशील गर्ग, दीपक, सतपाल, धर्मेंद्र, सोमा देवी सहित अनेक कार्यकतार्ओं ने गांव हमीरा फार्म में अभियान के तहत ग्रामीणों को सरकार की नीतियों बारे जानकारी दी व सफाई के प्रति जागरूक कर स्वच्छता का संदेश भी दिया।

महाभारत कालीन स्थाणु मंदिर में किया रुद्राभिषेक

कुरुक्षेत्र। नगर की जन कल्याण को समर्पित उत्थान सामाजिक संस्था के सदस्यों द्वारा सर्वजन हिताए,सर्वजन सुखाए की जनकल्याणकारी भावना को लेकर विश्व प्रसिद्ध महाभारत कालीन स्थाणु मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष अनिल वर्मा ने बताया कि प्रयागराज में महाकुंभ से पूर्व भगवान शिव से निर्विघ्न कुंभ मेले के संपन्न होने पर धन्यवाद और सर्वजन के कल्याण की भावना को लेकर पूजा की गई थी,प्रयागराज में महाकुंभ सुख - शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया जिसके लिए महादेव को कृतज्ञतापूर्वक रुद्राभिषेक किया गया। इसके साथ ही गत दिनों शनि देव के अपनी राशि बदलने से विश्व में कोई अप्रिय घटनाएं न हों इसके लिए भी भगवान शिव से सबकी खुशहाली और दीघार्यु की प्रार्थना की गई क्योंकि जिन देवों की पूजा से शनि देव प्रसन्न होते हैं उनमें भगवान शिव भी शामिल हैं। अनिल वर्मा ने कहा कि शनि देव भगवान हनुमान,कृष्ण और गुरू पूजा करने वालों से भी प्रसन्न होते हैं और उनका कुछ अहित नहीं करते। इस अवसर पर संस्था सदस्य धर्मपाल,जयपाल सैनी, सुधीर सेठी, सुमंत सैनी, राघव, राजेश, पंडित नवल किशोर, अभिषेक सहित अन्य उपस्थित थे।

केंद्र सरकार श्रम कानून में बदलाव कर कर्मियों को लाचार करना चाहती : चट्ठा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

- आल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की बैठक आयोजित

हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित आल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन रजिस्टर्ड नंबर 681 मुख्यालय करनाल जिला कार्यकारिणी की मीटिंग नजदीक नया बस स्टैंड ताज पार्क में जिला प्रधान रामनिवास शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मीटिंग का संचालन जिला सचिव जगदीप सिंह ने किया। मीटिंग में मुख्य वक्ता के तौर पर प्रांतीय महासचिव अमरीक सिंह चट्ठा उपस्थित रहे। मीटिंग में जिला संगठन से संबंधित सभी शाखाओं के पदाधिकारी साथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रांतीय महासचिव अमरीक सिंह चट्ठा ने कहा कि केंद्र की सरकार श्रम कानून में बड़े स्तर पर बदलाव

करके संगठनों व कर्मचारियों को लाचार करना चाहती है जिसको संगठन कभी बर्दाशत नहीं करेगा। महासचिव ने बताया कि इससे पूर्व भी संगठन द्वारा पलवल,गुरुग्राम, सोनीपत व अंबाला परिमंडल स्तर पर अधीक्षक अभियंताओं के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन भेजा जा चुका है लेकिन हरियाणा सरकार द्वारा संगठन को बातचीत के लिए न बुलाना सरकार की हठधर्मिता को दशार्ता है।

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

गुरुकुल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में एनुअल स्पोर्ट्स मीट-2025 का शानदार आयोजन किया गया जिसमें सभी कक्षाओं के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डायरेक्टर ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने अलग-अलग इवेंट में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए सभी छात्रों को मेडल देकर सम्मानित किया, साथ ही उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए मुख्य संरक्षक संजीव आर्य, डीपीई देवीदयाल, रवि चौहान, एनडीए ब्लॉक से विशेष सहयोग देने वाले सूबेदार बलवान सिंह और पूरी एन.डी.ए. टीम को विशेष बधाई दी। छात्रों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेलों से जीवन में अनुशासन और टीम भावना आती है जिसका हमारे जीवन में विशेष महत्त्व है। उन्होंने कहा कि हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए निरन्तर अभ्यास करें। अन्त में उन्होंने सभी छात्रों को बधाई दी और ग्राउंड पर खूब पसीना बहाने के लिए प्रेरित किया।

यूपीएससी की एनडीए फाइनल लिस्ट में गुरुकुल के आर्यन ने पाया 8वां रैंक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के छात्र आर्यन देशवाल ने गुरुकुल के नाम एक और उपलब्धि करते हुए गुरुकुल के साथ-साथ अपने माता-पिता का भी नाम रोशन किया है। यूपीएससी द्वारा एनडीए-154 की फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की गई जिसमें आर्यन देशवाल का आल इंडिया में 8वाँ रैंक आया है। इस उपलब्धि पर गुरुकुल परिसर में उत्साह का माहौल है। डायरेक्टर ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि महाहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत के ओजस्वी मार्गदर्शन में गुरुकुल कुरुक्षेत्र सफलता के नये आयाम छू रहा है। यहां के छात्र विशेष तौर पर एनडीए में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले वर्ष से अब तक 41 छात्रों का चयन एनडीए में हुआ है, यह भी गुरुकुल के लिए बड़ी उपलब्धि है और अब आर्यन देशवाल का पूरे देश में आठवां रैंक आना, पूरे गुरुकुल परिवार के लिए यह गौरवशाली क्षण है। उन्होंने बताया कि आर्यन देशवाल एक द्वितीय प्रतिभाशाली छात्र है। पिछले दिनों सिल्वरजॉन इंटरनेशनल ऑलम्पियाड आफ इंग्लिश लैंग्वेज के सेकेण्ड लेवल में भी आर्यन ने इंटरनेशनल रैंक 04 प्राप्त की थी।

चर्चा | क्रीडा भारती जिला कार्यकारिणी की बैठक में लिए अहम फैसले

जिले में खेल गतिविधियों को बढाएंगे आगे : धर्मपाल चौधरी

कुरुक्षेत्र। बैठक में उपस्थित जिप वाईस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी व अन्य सदस्य।

- क्रीडा भारती की गतिविधियों के बारे मे विस्तार से चर्चा की
- जिला सचिव अनिल चौधरी ने गत माह का लेखा-जोखा सदस्यों को पढकर सुनाया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

हनुमान जयंती के उपलक्ष मे क्रीडा भारती कुरुक्षेत्र की एक अहम बैठक क्रीडा भारती के जिलाध्यक्ष व जिला परिषद के वाईस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी के कार्यालय मे आयोजित की गई। बैठक के दौरान जहां हनुमान जी की पूजा अर्चना की गई। वहीं क्रीडा भारती की गतिविधियों के बारे मे विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिला सचिव अनिल चौधरी ने गत माह का लेखा-जोखा सदस्यों को पढकर सुनाया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान कमोदा, खजांची जोगिंद्र सहारण, प्रेस सचिव देवीलाल बारना, सुशील टाया, मनोज चौहान, कपिल चौहान, लाभ सिंह, रवि कुमार व सुल्तान समेत अन्य मौजदू रहे। जिलाध्यक्ष धर्मपाल चौधरी ने कहा कि क्रीडा भारती मे नए सदस्यों को जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा। खेल जगत से संबंधित लोगों व समाजसेवी लोगों को क्रीडा भारती से जोड़ने का कार्य किया जाएगा, ताकि युवाओं मे खेलों के प्रति जागृति लाई जा सके। उन्होने कहा कि आज के समय मे बच्चों को खेल के साथ जोड़ने बहुत जरूरी है। यूं तो हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या मे खेलों को शामिल करना चाहिए लेकिन बच्चों को किसी न किसी खेल से जरूरी जोड़ने चाहिए ताकि बच्चों का पूरा शारीरिक विकास हो सके। चौधरी ने कहा कि डिजिटल युग में मोबाईल का प्रयोग बहुत ज्यादा बढा है, ऐसे मे बच्चों को मोबाइल से दूर कर खेलों की तरफ आगे बढ़ाना होगा। इसी उद्देश्य के साथ क्रीडा भारती कार्य कर रही है। कुरुक्षेत्र जिला में पहले भी अनेकों कार्यक्रम क्रीडा भारती द्वारा चलाए गए हैं, अब फिर युद्धस्तर पर खेलों से संबंधित कार्य किए जाएंगें। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्यों ने खेल संबंधित गतिविधियों को बढाने के लिए सुझाव भी दिए।

खबर संक्षेप

सेमिनार का हुआ सफल आयोजन

अंबाला। जीएमएन कॉलेज स्टार्ट-अप सेंटर ने एलट्रूइस्ट टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर बीसीए, बीबीए, एमसीए और एमबीए के विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया। उन्होंने पॉलीथिन से होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के बारे में बात की। प्राचार्य डॉक्टर रोहित दत्त ने इस अभियान की सराहना की उन्होंने कहा कि/"आई हेट पॉलीथिन/" अभियान समाज में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस अभियान का हिस्सा बने और नए कौशल सीखने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुंदर कांड पाठ आयोजित किया

अंबाला। जिला ब्राह्मण सभा की ओर से भगवान श्री परशुराम मंदिर पीपली बाजार अंबाला शहर में हनुमान जयंती के अवसर पर सत्यनारायण की कथा एवं सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। कथा, पाठ एवं हवन यज्ञ पंकज डिमरी ने करवाया। उन्होंने बताया कि श्रीराम के भक्त बजरंगबली को सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वो कलयुग में भी जीवित हैं। उनकी कृपा से जीवन के सारे दुख दूर हो जाते हैं। इसके पश्चात सभा द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।

नारा लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अंबाला। रैगिंग जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जीएमएन कॉलेज की एंटी रैगिंग सेल तथा जनप्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे 'स्टॉप रैगिंग ,स्टार्ट सपोर्टिंग' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विभिन्न संकायों के 25 छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने रचनात्मक नारों के माध्यम से रैगिंग के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया। इस गतिविधि के संयोजकों में डॉ. मंजीत कौर, डॉ. कृष्ण पुनिया, बृजेश कुमार एवं डॉ. अमिता सम्मिलित रहे। प्रतियोगिता में जसमीत ने बाजी मारी। काजल व खुशी दूसरेव तीसरे स्थान पर रही।

पोषण पखवाड़ा का हुआ आयोजन

शहजादपुर। पोषण पखवाड़ा के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गांव गणेशपुर में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मिक्षा रंगा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर, सुपरवाइजर मनप्रीत कौर, अरविंदर कौर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्घाटन गांव के सरपंच बालक राम द्वारा किया गया। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी शहजादपुर मीक्षा रंगा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक और उन्हें स्वस्थ आहार के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए महत्वपूर्ण है।

15 हाई स्कूल में 65 से भी कम हुए दाखिले

बेहाल सरकारी स्कूल, निरंतर घट रही है छात्रों की संख्या

- बराड़ा ब्लॉक में सबसे कम नामांकन, शिक्षा अधिकारी बोले स्टाफ पूरा होने के बावजूद नहीं बढ़ रही छात्रों की संख्या
- बेहतर शिक्षा उपलब्ध न करवाने की बजाय दिए जा रहे हैं बेवजह के तर्क

रहमदीन ⏭ बराड़ा

भले ही हरियाणा सरकार प्रवेश उत्सव अभियान चलाकर स्कूलों में बच्चो के नामांकन को बढ़ाने व राज्य में ड्राप आउट दर ज़ीरो करने के लिए कदम उठा रही है लेकिन इसके बावजूद भी स्कूलों में बच्चों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है।

बीते दिनों शिक्षा विभाग ने वीसी के माध्यम से सभी जिलों से कम इनरोलमेंट वाले स्कूलों की जानकारी मांगी तो इसमें चौकाने वाले आंकड़े सामने आए। इसमें पता चला कि पूरे प्रदेश में लगभग ऐसे 200 स्कूल हैं। जिले की बात करे तो यहां पर 15 ऐसे हाई और सीनियर सैकेंडरी स्कूल है जिनमें छात्रों की संख्या 65 से भी भी कम है। इनमें अंबाला वन ब्लॉक के 2, अंबाला टू ब्लॉक के 2, बराड़ा के 5, नारायणगढ़ का 1, साहा के 3 व शहजादपुर ब्लॉक के 2 स्कूलों के नाम शामिल है। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षाधिकारियों को ऐसे सभी स्कूलों की व्यक्तिगत रूप से विजिट करने के निर्देश भी दिए हैं।

इन स्कूलों में कम इनरोलमेंट

विभाग द्वारा कम इनरोलमेंट वाले स्कूलों की लिस्ट में अंबाला वन ब्लॉक के 2 स्कूल शामिल है जिसमें जीएचएस भुडंगपुर स्कूल में 53 व जीएचएस पंजौला में 58 स्टूडेंट्स के दाखिल हैं। अंबाला 2 ब्लॉक की बात करे तो इस के जीएचएस मिलिटरी डेयरी फार्म स्कूल में 64, जीएचएस कलरहड़ी में 61 विद्यार्थी का ही एडमिशन अभी तक हुआ है। बराड़ा खंड के स्कूलों में जीएचएस सरकपुर में 52, जीएचएस डुलियानी में 60, जीएचएस बिंजलपुर में 55, जीएचएस गगनपुर में 50, जीएचएस शेरपुर सुलखनी में 56 बच्चे ही दाखिल है। ब्लॉक नारायणगढ़ के जीएचएस फ़तेहपुर में 61 बच्चे ही आए हैं। साहा ब्लॉक में जीएचएस धुराला में 65, जीएचएस हल्दरी में 62, जीएचएस खानपुर में 61 बच्चे दाखिल हुए है। खंड शहजादपुर की बात की जाए तो यहां के ब्लॉक के जीएचएस शेरपुर में 32, जीएचएस गणेशपुर में 61 बच्चे ही शिक्षा ग्रहण पहुंचे है।

स्कूलों में स्टाफ पूरा

खंड सरकपुर व गंगनपुर स्कूल की अगर बात करें तो यह स्कूल बराड़ा शहर के काफी नजदीक हैं। इन गांवों के बच्चे बराडा के मॉडल संस्कृति सीनियर्स सैकेंडरी स्कूल में दाख़िला लेना ज़्यादा पसंद करते हैं, जिस कारण इन स्कूलों में बच्चों के नामांकन कम होता है। इसके अलावा गांव डुलियानी, बिंजलपुर व शेरपुर सुलखनी के अधिकतर लोग विदेशों में रहते हैं, जिस कारण यहां के स्कूलों में बच्चों का दाख़िला कम रहता है। वैसे इन स्कूलों में स्टाफ लगभग पूरा है।

-प्रमोद राणा, बीईओ बराड़ा

नेशनल हाइवे पर भीषण हादसा

पीछे से आए कार चालक ने मारी टक्कर, कोई हताहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- हाइवे पर लगा डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम, गुरुग्राम से अमृतसर घूमने के लिए निकला था परिवार, हादसे को अंजाम देकर वाहन चालक फरार

अंबाला-अमृतसर नेशनल हाइवे पर शनिवार को तीन गाड़ियों में भीषण टक्कर हो गई। हादसे मे तीनों गाड़यों के परखचे उड़ गए। हालांकि किसी को जानी नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह से हाइवे पर जाम लग गया। करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति रही। तीनों गाड़ियों को हाइवे से हटाकर रास्ता चालू करवाया गया। गुरुग्राम के रहने वाले जसबीर ने बताया कि वह सुबह अमृतसर घूमने के लिए निकले थे। अंबाला कैंट के पास एक कार ड्राइवर ओवरटेकिंग लाइन में अपनी गाड़ी रोक कर खड़ा हो गया। तब जसबीर भी उसके पीछे आकर गाड़ी स्लो करने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार टैक्सी परमिट गाड़ी ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जसबीर की गाड़ी भी आगे खड़ी गाड़ी में भिड़ गई। इसके बाद ओवरटेकिंग लेन में खड़ा कर चालक तुरंत मौके से फरार हो गया। जसबीर ने बताया कि वह अपने माता-पिता व पत्नी और बच्चों के साथ ट्रिप के लिए निकले थे। अब आगे की सारी बुकिंग उन्हें कैंसिल करनी पड़ रही हैं। उन्होंने कहा कर चालक ने ओवरटेकिंग लेन में खड़े होकर यातायात नियमों की अवहेलना की है। उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी 10 दिन पुरानी ही है। उन्होंने कहा कि अभी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन भी नहीं हुआ है। गाड़ी टेंपरेरी नंबर के साथ ही चल रही थी। नई गाड़ी पूरी तरह से खत्म हो गई है। हादसे के बादजब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक हाईवे पूरी तरह से जाम हो चुका था। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कतार में लग गए।

अंबाला। हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम की स्थिति।

बराड़ा। विजेताओं के साथ कॉलेज स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सच्ची संपत्ति

एमपीएन कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

बराड़ा। महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज में यूथ रेड क्रॉस एवं रेड रिबन सेल के तत्वावधान में 'विश्व स्वास्थ्य पखवाड़ा' के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सच्ची संपत्ति है और इसका ध्यान रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। प्रतिभागियों ने 'हेल्दी हैबिट्स-हैप्पी लाइफ' थीम पर रचनात्मक पोस्टर बनाकर अपनी जागरूकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. शैली मनन ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी और बताया कि इस हेल्पलाइन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्राप्त कर सकता है। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

शास्त्रीय नृत्य में अमीषा ने धाक जमाई

खुशी ने भी शानदार डांस कर वाहवाही लूटी

- लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक 'अनु कल को आज पढ़ानाः भावी शिक्षकों का वार्षिक समागम' रहा।

विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षंदा और आरती ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के अध्यक्ष राजकुमार सांगवान, सचिव रमेश कुमार सांगवान, कोषाध्यक्ष साहिब सांगवान और महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेनू सोहता रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना के साथ की गई। विद्यार्थियों ने अपने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। अमीषा ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया, खुशी ने भी नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध किया, जबकि मनीषा ने मधुर गायन से वातावरण को संगीतमय बना दिया।

समारोह में मिस बीएड का खिताब रक्षंदा को तथा मिस्टर बीएड का खिताब कोमल को प्रदान किया गया। प्राचार्य डॉ. रेनू सोहता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पल खुशी और गम दोनों के हैं।

खुशी इस बात की है कि विद्यार्थियों ने अपना कोर्स पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा किया और गम इस बात का है कि अब उनसे विदा लेनी पड़ रही है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थिति प्रतिभागीं। फोटो: हरिभूमि

अंबाला। मुख्य वक्ता का सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. देशराज बाजवा व अन्य।

बाबा साहेब को राष्ट्र नायक के तौर पर करें स्वीकार

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में अकादमिक डिवेलपमेंट सैल व अर्थशास्त्र विभाग की तरफ से डॉ. अंबेडकर व सामाजिक सद्भाव विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जानेमाने उपन्यासकार व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रोफेसर डॉ. विकास शर्मा रहे। उन्होंने डॉ अंबेडकर के भारतीय राजनीति व समाज में व्यापक योगदान पर विस्तार से बात की। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ देशराज बाजवा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका कॉलेज पहुंचने पर स्वागत किया। डॉ. विकास ने कहा कि डॉ. अंबेडकर हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। ऐसे में इतनी बड़ी शख्सियत को किसी जाति तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब स्वतंत्रता आंदोलन में पूरा देश महात्मा गांधी को बापू का दर्जा दे रहा था तब डॉ. अंबेडकर उनसे कई मुद्दों पर मतभेद का साहस रखते थे। ऐसा कई विद्वान ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के लिए जरूरी है कि बाबा साहेब को एक राष्ट्र नायक के तौर पर स्वीकार किया जाए न दलित नेता के तौर पर। आर्य गर्ल्स कॉलेज की प्रो. सुमन ने डॉ. अंबेडकर के भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान पर विचार रखे। प्रो. शैलेंद्र रंगा ने महिला उत्थान संबंधी डॉ अंबेडकर के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. रविकांत,प्रो. अजय चौहान, डॉ. अतुल यादव,प्रो. शर्मीला अहलावत,प्रो. सुरेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. पूनम राजोरा ने किया।

संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में मनाई बाबा साहेब की जयंती

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा रानी तथा एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुषमा रानी ने वृत्तचित्र के माध्यम से बताया कि बाबा साहेब ने अस्पृश्यता उन्मूलन और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य किया तथा शिक्षा को दलितों और महिलाओं के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण साधन माना। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी ने कहा कि बाबा साहेब एक असाधारण समाज सुधारक, विद्वान, मानवाधिकारों के सच्चे रक्षक तथा शोषित वर्गों के मुक्तिदाता थे। उन्होंने संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई। अंत में कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

बराड़ा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागी।

बस्ती चलो अभियान की शुरुआत, पूर्व मंत्री ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में मत्था टेका

- लोगों से बोले, भाजपा कार्यकर्ता हमेशा रहते हैं जनता के बीच, इसी वजह से देश व प्रदेश में लगातार तीसरी बार बनी सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने शनिवार को अंबाला शहर के वार्ड नंबर 7 से बस्ती चलो अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत असीम गोयल भाजपा के निगम सदस्यों सहित भगवान वाल्मीकि बस्ती पहुंचे। यहां पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। गोयल ने सर्वप्रथम भगवान वाल्मीकि मंदिर में माथा टेका। उसके बाद इलाके में लोगों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी की कार्यशैली व उनके द्वारा लिए जा रहे फैसलों की खूब सराहना की। बस्ती चलो अभियान के तहत असीम गोयल ने इलाका वासियों का कुशलक्षेम भी जाना। मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने कहा कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी देश में तीसरी बार, प्रदेश में भी तीसरी बार और अन्य राज्यों में भी कई कई बार सरकार के नाते लोगों की सेवा कर रही है। इसका बड़ा कारण लोगों के बीच में रहना है। गोयल ने अपने कार्यकर्ताओं से भी अभियान को आगे बढाने की अपील की। इस दौरान डिप्टी मेयर राजेश मेहता, निगम सदस्य सरदूल सिंह,विक्रम फकीर चंद, मोनिका मल, हितेश जैन, भाजपा नेता सुंदर ढींगरा, संजीव गोयल, अमन सूद, सतपाल, रवि, अभिषेक मोंटी, निखिल कांगड़ा आदि मौजूद रहे।

अंबाला। अभियान के दौरान वाल्मीकि बस्ती के लोगों से बातचीत करते पूर्व मंत्री असीम गोयल। फोटो: हरिभूमि

नम आंखों से तिवारी को अंतिम विदाई मंत्री ने चादर चढ़ाकर दी श्रद्धांजलि

अंबाला। कैंटोनमेंट बोर्ड के वाइस प्रेजिडेंट रहे सुरेंद्र तिवारी को लोगों ने शनिवार को अंबाला छावनी के रामबाग में नम आंखों से विदाई दी। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने भी भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र तिवारी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए इसे कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया। विज ने शमशानघाट में सुरेंद्र तिवारी के अंतिम संस्कार में पहुंच पार्थिव शरीर पर भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ चादर व फूल-मालाएं चढ़ाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इससे पहले स्वर्गीय सुरेंद्र तिवारी के पार्थिव शरीर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा चढ़ाया गया। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए परिवार को सांत्वना दी। गौरतलब है कि सुरेंद्र तिवारी भाजपा के वरिष्ठ नेता थे जोकि कैंसर से पीड़ित थे। कुछ समय पूर्व उनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने पर उन्हें पीजीआई रोहतक ईलाज हेतु भर्ती किया गया था। शुक्रवार (11 अप्रैल) को उनका उपचार के दौरान निधन हो गया था। तिवारी भाजपा के अग्रणी नेताओं में से एक थे। कैंटोनमेंट बोर्ड से सदस्य चुने जाने के बाद उन्हें वाइस प्रेजिडेंट बनाया गया था।

अंबाला। भाजपा नेता सुरेंद्र तिवारी के अंतिम संस्कार से पहले चादर चढ़ाते मंत्री अनिल विज। फोटो: हरिभूमि

बाबा साहेब की प्रतिमाओं की करेंगे भाजपा कार्यकर्ता सफाई, 14 को दी जाएगी श्रद्धांजलि

अंबाला। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित कुमार वजीदपुर की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यअतिथि सत्य प्रकाश जरावता का कार्यालय में पहुंचने पर जिला अनुसूचित जाति मोर्चा ने मिलकर भव्य स्वागत किया गया। जरावता ने सभी कार्यकर्ताओं को 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर यमुनानगर में प्रधानमंत्री के आगमन की जानकारी दी। बताया की इस बार अंबेडकर जयंती आप के साथ मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पधार रहे हैं। उन्होंने सभी से अंबेड़कर जयंती मनाने के लिए यमुनानगर पहुंचने की अपील भी की। कार्यक्रम के जिला संयोजक सुरेश सहोता ने इस कार्यक्रम से पहले ने बताया कि आप सभी कार्यकर्ताओं ने 13 अप्रैल को अपने अपने क्षेत्रों में अंबेड्कर की प्रतिमाओं की व उसके आसपास सफाई करनी व करवानी है।

अंबाला। पार्टी ऑफिस में आयोजित मीटिंग के दौरान मौजूद भाजपा एससी मोर्चा के पदाधिकारी।

बरसात ने डाला सीएम के कार्यक्रम में खलल पंडाल में कुर्सियां छोड़कर भागे लोग

अंबाला। कश्यप, राजपूत, पंजाबी वेलफेयर सोसायटी के कार्यक्रम में बरसात की वजह से अफरातफरी मच गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सीएम नायब सैनी द्वारा किया जाना था। इससे पहले जोरदार बरसात होने से पूरे प्रोग्राम का मजा किरकिरा हो गया। लोग बारिश से बचने के लिए पड़ाल से भाग खड़े हुए। सीएम के अभिनंदन के लिए मंच पर मौजूद अंबाला नगर की मेयर शैलजा सचदेवा भी गुलदस्ता लेकर बरसात से बचने के लिए सुरक्षित जगह पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके साथ भाजपा के जिलाध्यक्ष मनदीप राणा भी बरसात से बचते दिखे। इसके कुछ देर बाद सीएम नायब सैनी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। दरअसल शनिवार को कश्यप, राजपूत, पंजाबी वेलफेयर सोसायटी का 50वां मेला शुरू हुआ। इसके उद्घाटन के लिए सीएम नायब सैनी को बुलाया गया था। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। सभी लोग पंडाल में लगी कुर्सियों पर बैठे थे। अचानक जोरदार बरसात शुरू हो गई। इसी वजह से लोग कुर्सियों से उठकर भागने लगने जिसकी वजह से अफरातफरी मच गई। यहां बारिश से बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं थे। जबकि मौसम विभाग की तरफ से बरसात को लेकर अलर्ट जारी किया गया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़कर जीवन मुक्ति का अधिकार प्राप्त करें इंसान

- प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नगला में आयोजित किया गया भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा दयालबाग की ओर से गांव नगला के देवी मंदिर में चौदस पर लगे मेले के अवसर पर शिवदर्शन कर मनुष्य से देवता बनने की कला सिखाने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी सुबह 10:00बजे से शाम तक चली।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुमन दीदी ने कहा की जब दुनिया में पापाचार, अनैतिकता और अधर्म फैल जाता है तब परमपिता परमात्मा इस धरती पर अवतरित होकर इस पतित सृष्टि को पावन बनाने का कार्य करते हैं। वे ज्ञान और राजयोग से मनुष्य को देवता बनाते हैं। इसके लिए ही श्री गुरु ग्रंथ में कहा गया है 'मानुष से देवता किए करत न लागी बार'। उन्होंने बताया कि राजयोग द्वारा आत्मा के कई जन्मों के पाप भस्म होते हैं।

आत्मा पावन बन जाती है। ज्ञान से जीवन में गुण आने लगते हैं तो यह वही समय है। परमात्मा फिर वही गीता का ज्ञान सुना रहे हैं, जिससे आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना हुई थी और देश स्वर्ग बना था। अब जरूरत इस बात की है कि परमात्मा को पहचान कर उससे संबंध जोड़कर उनसे जीवन मुक्ति का अधिकार प्राप्त करें और उनकी आज्ञा पर चलकर श्रेष्ठ बनें।

उन्होंने कहा कि यह समय कलयुग के अंत के भी अंत का समय चल रहा है। इसकी निशानियां गुरु नानक ने बताई थी जिसमें पहली निशानी गाय गंदी चीजों को खाने पर मजबूर होंगी, कन्या अपना वर स्वयं मांगेगी, अनाज पुड़ियों में बिकेगा व केशों का श्रृंगार होगा। ये सभी लक्षण वर्तमान समाज में विद्यमान हैं। इससे प्रतीत होता है कि कलयुग की समाप्ति का समय चुका है। इस प्रदर्शनी में डेरा बस्सी के विधायक कुलतार सिंह रंधावा ने भी शिरक़त कर इश्वरिये ज्ञान लिया। उन्होंने कहा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है।

संसार में शांति स्थापन करने में इनकी विशेष भूमिका है। इसके साथ ही मंदिर में आने वाले सभी भक्तों सहित लगभग हजारों की संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी समझी वा प्रतिज्ञा ली कि हम परमात्मा के गुणों को स्वयंम में धारण करेंगे। प्रदर्शनी में बीके कोमल, बीके सीता राम, बीके राकेश मेहता, बीके सुनील, बीके कमलेश, बीके सुदेश, बीके रक्षा, बीके बीरबल, बीके विशाल व सरपंच समेत भारी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे।

अंबाला। डेराबस्सी के विधायक कुलतार रंधावा को सम्मानित करती बीके बहन।

रस्म क्रिया में जा रहा था परिवार, कार चालक की लापरवाही से हुए हादसे में महिला की मौत

अंबाला। रिश्तेदार की रस्म क्रिया में जा रहे परिवार के ऑटो को कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि शहजादपुर के रजपुरा गांव के पास ऑटो खेतों में पलट गया। हादसे में मोहाली के सुंडरा गांव की 68 वर्षीय बंतो की मौत हो गई।एक साल की बच्ची रीत सहित मां गुरजीत, मलकीत कौर को गंभीर चोटें आने पर शहजादपुर से मुलाना एमएमयू अस्पताल रेफर कर दिया। इसके अलावा भाग सिंह, चिंतो देवी व ऑटो चालक कर्मबीर सिंह चोटिल हो गए। शहजादपुर थाना पुलिस ने शनिवार मृतक बंतो का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। घायल भाग सिंह ने बताया कि उनके मामा की रस्म क्रिया में पूरा परिवार बुढ़ियों गांव जा रहा था। जैसे ही वह रजपुरा गांव के पास पहुंचे तो पीछे से आई-20 कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कार भी खेतों में उतरकर क्षतिग्रस्त हो गई थी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर निकाली प्रभातफेरी

साहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की सीडीपीओ ईशा रानी के नेतृत्व में गांव तेपला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस प्रभात फेरी में सुपरवाइजर सुजाता सरोहा, नीलाम, सुदेश और गांव के सरपंच, पंच सहित गांव की महिलाओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी में भाग लेने पहुंची सीडीपीओ ईशा रानी ने कहा कि विभाग के आदेश अनुसार इस प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें संदेश दिया गया कि लिंग जांच करवाना गैर कानूनी है। लिंग जांच करने और करवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस प्रभात फेरी के बारे में जानकारी देते हुए सुपरवाइजर सुजाता सरोहा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम पंचायत के सहयोग से इस प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव के विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर
यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरिया: पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्ण: इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मान: आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकट: सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमा: अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

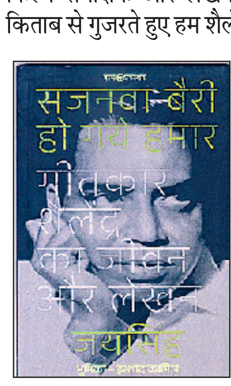

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, **लेखकः** जय सिंह, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.......
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

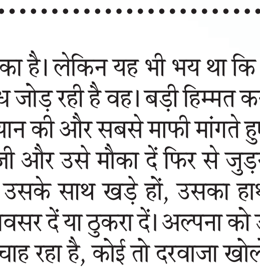
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है। लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

सही नहीं हर किसी को

अनावश्यक उपदेश देना

बिहेवियर / विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

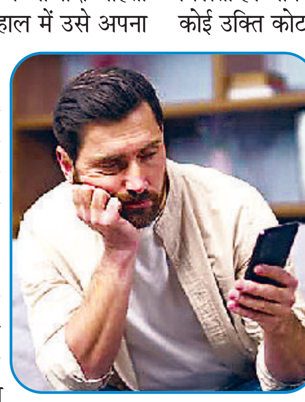

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

टेक्नो ट्रेंड / नरेंद्र शर्मा

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात / पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

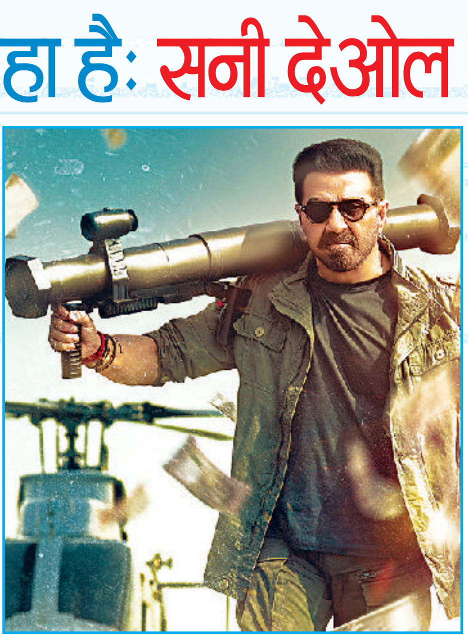

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।